केरल हिन्दी प्रचार सभा, तिरुवनन्तपुरम

अगस्त 2011

हिन्दी प्रवेश परीक्षा

(ഹിന്ദീ പ്രവേശ് പരീക്ഷ)

प्रश्नपत्र 1 (പത്രസംഖ്യ 1)

समयः 3 घंटे) (पूर्णांक : 100

1. **किन्हीं चार उद्धरणों की व्याख्या कीजिएः-** 20

क) जहाँ अन्य देश पशुबल के पुजारी हैं, भारत सब को
आत्मबल से जीत सकता है।

ख) यह व्यक्ति स्वभाव से ही सन्त था - उसके हृदय की सहानुभूति पर मानव का सहज अधिकार था।

ग) जिसके चरित्र में धीरता नहीं, उससे बडे दायित्व के योग्यतापूर्व निर्वाह की आशा नहीं की जा सकती।

घ) तुम्हारी भी रिटायर होने की उम्र आ गयी। भला, भोलाराम जैसे नगण्य, दीन आदमी से किसी को क्या लेना-देना?

ङ) जीवन के नवनिर्माण में साहित्य और कला विशेष योगदान देने में समर्थ हैं, क्योंकि वे मानव-भावना के उद्‌गीथ हैं।

च) शास्त्र झूठा है तो वे भी झूठे हैं। अंग्रेजी क्या पढ़ी, अपने आगे किसी को गिनते ही नहीं?

II. **किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दस-दस वाक्यों में लिखिए:-** 20

1. गान्धीजी की दृष्टि में भारत की आन्तरिक शक्ति क्या है?
2. सच्चे नागरिकों के उत्तरदायित्व के संबन्ध में लेखक के विचार प्रस्तुत कीजिए।
3. एकांकी के कथानक का स्वरूप कैसा होता है?
4. दुर्योधन ने अपने पक्ष की सफाई केलिए क्या तर्क पेश किया?
5. लेखिका की दृष्टि में हमारे वैज्ञानिक युग की मुख्य समस्याएँ क्या-क्या हैं?
6. ताई के स्वभाव में आकस्मिक परिवर्तन कैसे हुआ?

III. **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर बीस-बीस वाक्यों में लिखिए:-** 20

अ) गान्धीजी के स्वप्नों के भारत का वर्णन कीजिए।

आ) 'महाभारत की एक सांझ' शीर्षक एकांकी का सार अपने शब्दों में लिखिए।

इ) 'हमारे वैज्ञानिक युग की मुख्य समस्या' शीर्षक लेख का सारांश लिखिए।

ई) ताई कहानी का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

IV. **संक्षिप्त आत्मकथा के निम्नलिखित शीर्षकों में से किन्हीं दो के आधार पर बीस-बीस वाक्यों में गान्धीजी के जीवन पर प्रकाश डालिए:-** 20

1. हाई स्कूल में
2. चोरी और प्रायश्चित
3. तीन प्रतिज्ञाएँ
4. सादगी की ओर

V. **किसी एक कहानी का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए:-** 20

1) मधुआ
2) अपना-अपना भाग्य
3) भोलाराम का जीव
4) मेरा वतन